भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-16, अंक-11 | वि.सं. 2077, | युगाब्द 5122 | जनवरी-2021 | डिजिटल संस्करण

सदस्यता शुल्क :- संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

मार्गदर्शक :

- डॉ. कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेवशर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबन्ध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ. शिवभूषण त्रिपाठी
  मोः 09451176775

सह सम्पादक :

- राजेश
  मोः 09793120738

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबन्धक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :
भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर, लखनऊ,
उ.प्र.-226020
दूरभाषः 0522-4001837,
0522-2789406
मोः 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :
E-mail : bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोक : प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

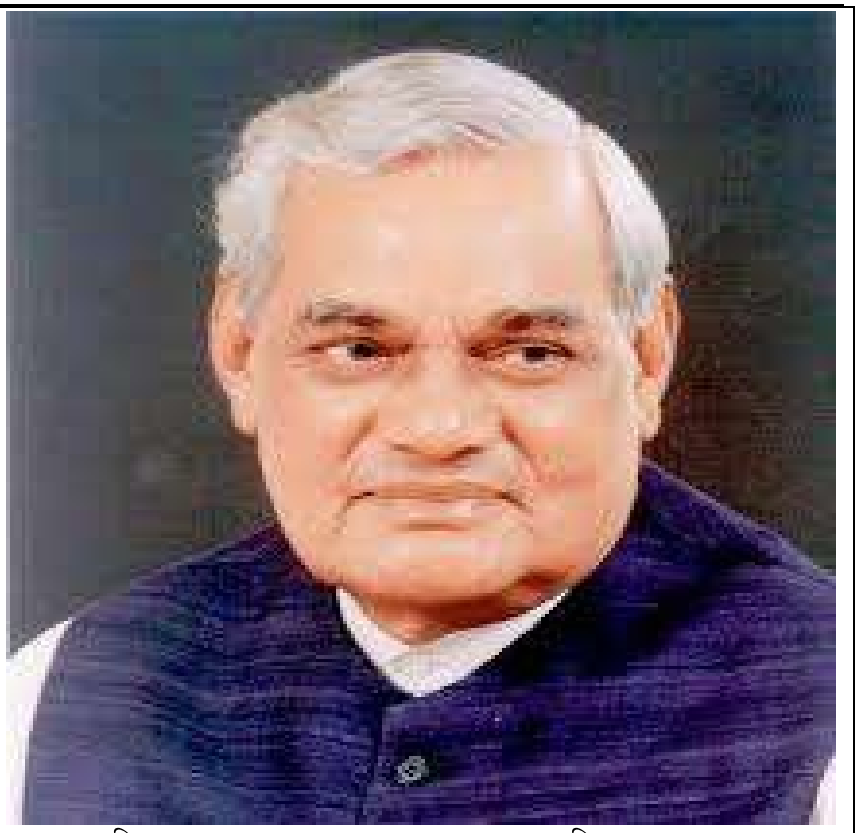

जन्मः 25 दिसम्बर 1924 निधनः 16 अगस्त 2018

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी

संस्थापक न्यासी एवं अध्यक्ष
भाऊराव देवरस सेवा न्यास

अटल बिहारी युगपुरुष, दयावान गुणवान।
हानि-लाभ से परे शिव, मर्यादा की आन।।
बाहर-भीतर एक सम, राष्ट्र भक्त निष्काम।
रीझत-नटत विनोद प्रिय, तुमको नमन प्रणाम।।

शिव.

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका **सेवा संवाद** अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है | आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई मेल आईडी bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें |

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 26 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित कार्पस फण्ड से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु **कार्पस फण्ड** भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. **सचल चिकित्सा सेवा** - रु. 11,000/- की मासिक धनराशि का सहयोग कर के एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. **नेत्र चिकित्सा सेवा** - रु. 5000/- की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. **विकलांग सहायता सेवा** - रु. 1,000/- से 6,000/- तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. **कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)** - रु. 10,000/- से अधिक की धनराशि का अर्पण कर के न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. **छात्रवृत्ति** - न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000
6. **सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक) पत्रिका** - रु. 1,200/- की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग कर के सहायता करना।
7. **सेवा संवाद (मासिक)** - रू. 2,000/- की आजीवन एवं रु. 5,000/- की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. **माधव सेवा आश्रम** - रु. 5,00,000/- का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. **विश्राम सदन - दिल्ली** - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु0 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. **CSR फंड** - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार कर मुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेज सकते हैं।
- अप्रवासी भारतीय भी दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. **6806100009948** (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. **30448433657** (IFSC : SBIN0003813)
  - बैंक ऑफ इण्डिया, पटपड़गंज, नई दिल्ली - खाता सं. **605810110013350** (IFSC : BKID0006058)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

कहते हैं कि शक्ति की साधना और ज्योति की उपासना जीवन में सकारात्मक परिवर्तन और गतिशीलता के लिए आवश्यक सूत्र है। भारतीय जीवन परम्परा और संस्कृति में ये तत्व समाहित हैं। शक्ति के बिना जीवन का कोई अर्थ नहीं। दुर्बल व शक्तिहीन शरीर रोगों का आवास बन जाता है। शुद्ध आहार-विहार एवं ब्रह्मचर्य पालन से हर कोई शक्ति सम्पन्न हो सकता है। शक्ति संचय और सही दिशा में उसका उपयोग एक साधना है। शास्त्रों में भी कहा गया है कि 'ब्रह्मचर्येण तपसा किल्विषं हिन्त' अर्थात् ब्रह्मचर्य के तप से अनेक तरह के दोष-पाप नष्ट हो जाते हैं। दुर्गा, काली, हनुमान, सूर्य आदि देवताओं की साधना हमें शक्ति सम्पन्न बनाती है। भगवान राम ने शक्ति की साधना से ही रावण जैसे बलशाली का वध करने की क्षमता प्राप्त की। विचार करके देखें तो वर्तमान समय में हमारे सामने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उच्छृखंल, बलशाली, आततायी, आतंकी और भ्रष्टाचारी घूम रहे हैं जिनसे मानवता त्राहि-त्राहि कर रही है। उनसे मुक्ति पाने के लिए हमें शक्तिशाली बनना ही होगा क्योंकि 'देवो दुर्बल घातकः' यह सूक्ति भी हमें सबल बनने के लिए प्रेरित करती है।

दुःख का सुख में परिवर्तन, शक्तिहीनता का शक्ति सम्पन्नता में परिवर्तन व इसी तरह अनेक विरोधी स्थितियों का परिवर्तन सम्भव होते हुए हम प्रतिदिन देख रहे हैं। पर यह परिवर्तन तभी सम्भव है जब हम स्वयं चाहें। आज पता नहीं क्यों हमारी स्वयं की चाहत को क्या रोग लग गया है कि वह ऊर्ध्वमुखी नहीं हो रही है। अपनी वृत्तियों को ऊर्ध्वमुखी करना ही तो साधना है। वृत्तियों का ऊर्ध्वमुखी होना ही विकास है, गति है, परिवर्तन है और सकारात्मक सोच है। अधोमुखी होने के लिए कोई प्रयास नहीं करना पड़ता। हमें अपनी बहिर्मुखी वृत्तियों को अन्तर्मुखी करना होगा और धारा के विपरीत प्रयास पूर्वक स्वयं को पहचानना होगा। इसके लिए हमें किसी को दोष देने की और परछिद्रान्वेषण की आवश्यकता नहीं है। हम जहाँ हैं, जिस पांवदान पर पैर रखे खड़े हैं, वहाँ हमारा कर्ततृत्व कैसा है? उदाहरण के लिए, यदि हम विद्यार्थी हैं तो क्या हम ईमानदारी से व पूर्ण निष्ठा के साथ अपने अध्ययन कार्य में लगे हैं? हम सब कहीं न कहीं काम कर रहे हैं, किन्ही महत्वपूर्ण पदों पर हैं, नीति निर्धारक हैं, निर्णायक हैं, विधायक हैं अथवा कुछ और महत्वपूर्ण भूमिका में हैं, तो क्या हम वहाँ निष्पक्ष हैं? क्या हम स्वार्थ से ऊपर उठकर देवत्व की भूमिका में हैं? यदि हाँ तो अपेक्षित परिणाम सामने क्यों नहीं? विचार करें। यदि नहीं, तो अभी से अन्तर्मुखी होकर ऊर्ध्वमुखी साधना में क्यों न लग जायें? हम भी राम-कृष्ण की संतानें हैं, हम में भी वही रक्त है, फिर शिथिलता क्यों? कदाचित् हम ऐसा करने में सफल हो सकें तो यही मानवता की सच्ची सेवा होगी।

कैलेण्डर वर्ष 2021 की मंगलमय कामनाओं के साथ यह अंक आप को समर्पित है।

■ शिव

भाऊराव देवरस सेवा न्यास, दिल्ली का अक्षय सेवा–सेवा प्रकल्प

दिल्ली में अपना उपचार करवाने के लिए अन्य राज्यों से आने वाले कई रोगियों को आर्थिक कारणों से मजबूरी के कारण अस्पताल के बाहर ही रहना पड़ता है। पहले इन्हें शुद्ध भोजन न मिलने के कारण असुविधा का भी सामना करना पड़ता था एवं अपने सामर्थ्य से अधिक राशि खर्च करनी पड़ती थी। समाज के सामर्थ्यवान जन इस समस्या का समाधान निकालने के बारे में विचार करने लगे। न्यास की योजना से कुछ समाजसेवी और अन्य बंधुओं ने योजना पूर्वक 27 अप्रैल 2017 को एम्स अस्पताल के बाहर ऐसे रोगियों और उनके सहयोगियों के लिए दोपहर के समय निःशुल्क भोजन वितरण प्रारंभ किया। शुरू में यह कल्पना थी कि यह व्यवस्था एक सप्ताह चलाकर फिर आगे की योजना पर विचार करेंगे। परन्तु जैसा कि कहते हैं 'प्रभु का कार्य प्रभु ही करते हैं' यह सेवा देखते ही देखते दिल्ली में दो अन्य स्थानों- सफदरजंग अस्पताल के निकट और राम मनोहर लोहिया अस्पताल के निकट भी शुरू हो गई। प्रतिदिन तीनों केन्द्रों पर दो हजार के लगभग लोगों को भोजन वितरण किया जाने लगा। समाज के सहयोग से यह प्रकल्प अनवरत चल रहा है।

न्यास द्वारा किए जा रहे इस पुनीत कार्य से प्रेरणा लेकर समाज के अन्य बंधुओं ने भी इस प्रकार की सेवा दिल्ली में ही नहीं अपितु देश में अनेक स्थानों पर प्रारम्भ कर दी है।

इस व्यवस्था के 1000 दिन पूर्ण होने पर एक विशेष कार्यक्रम एम्स के निकट संपन्न हुआ। कई कार्यकर्ताओं ने उस दिन भोजन वितरण में भाग लिया और लगभग 10,000 लोगों को भोजन वितरित किया गया। यह एक बहुत प्रेरणादायी कार्यक्रम रहा और अन्य लोग भी इस कार्यक्रम से जुड़े।

कोरोना महामारी के कारण सरकार द्वारा लॉकडाउन की घोषणा की गई। दिल्ली में रहने वाले मजदूर एवं एम्स में उपचार कराने वालों के सम्बन्धी भोजन के लिए तरसने को बाध्य हो गए। ऐसे कठिन समय में न्यास ने इस अक्षय सेवा का स्वरूप विस्तृत करते हुए धीरे-धीरे पूरी दिल्ली में कई स्थानों पर बेसहारा लोगों को दोनों समय भोजन उपलब्ध कराया। भोजन वितरण के इस कार्य में कई अन्य समाजसेवी भी साथ में जुड़े और वितरण के लिए सेवा भारती, दिल्ली पुलिस और नोएडा पुलिस सहित कई संस्थाओं ने सहयोग किया। दिल्ली में लगभग 11 स्थानों पर भोजन बनाने की व्यवस्था रही। बिस्किट और मुसली के ट्रक भी सहयोग के रूप में प्राप्त हुए। इस प्रकार लॉकडाउन के समय लगभग 5 लाख भोजन के पैकेट निशुल्क वितरित किए गए।

इस महामारी के समय भोजन व्यवस्था के साथ-साथ न्यास ने कोरोना योद्धाओं की सुरक्षा के लिए लगभग 500 PPEकिट्स का वितरण चिकित्सा कर्मियों, पुलिस कर्मियों, सफाई कर्मचारियों व अन्यों को किया। इसी प्रकार 5000 मास्क, 300 कम्बल और 2000 लीटर सेनिटाईज़र का वितरण भी विभिन्न जरूरतमंदों को किया गया।

इस **अक्षय सेवा प्रकल्प** के अंतर्गत अभी तक लगभग 30 लाख लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा चुका है और यह अनवरत चल रहा है।

यह सारा कार्य न्यास के द्वारा गठित अक्षय सेवा की संचालन समिति की देख रेख में चलता है। इस संचालन समिति के न्यासियों और अन्य कार्यकर्ताओं का सहयोग इसमें लगातार मिलता रहता है। इस प्रकार न्यास का यह प्रकल्प सफलता पूर्वक आगे बढ़ रहा है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इस सेवा प्रकल्प का विस्तार होगा और यह कई और स्थानों पर प्रारम्भ होकर समाज के दुर्बल वर्ग की सेवा कर सकेगा।

सम्पर्क : 9811052464

26वां पं. प्रताप नारायण मिश्र-स्मृति युवा साहित्यकार सम्मान समारोह

लखनऊ, 26 दिसम्बर 2020: भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा पिछले 26 वर्षों से हर वर्ष पं. प्रताप नारायण मिश्र युवा साहित्यकार सम्मान से सात साहित्यकारों को सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष इस सम्मान के लिए छः साहित्यकार - **काव्य विधा में लखनऊ के श्री अतुल बाजपेयी, कथा साहित्य में बुलंदशहर के श्री कुलदीप सिंह राघव, पत्रकारिता विधा में नोएडा के डॉ. सौरभ मालवीय, बाल साहित्य विधा में लखनऊ के श्री श्यामकृष्ण सक्सेना, संस्कृत में अहमदाबाद के श्री ऋषिराज जानी और भोजपुरी विधा में लखनऊ के श्री अम्बरीश राय** को चयनित किया गया था। 26 दिसम्बर 2020 को निराला नगर स्थित माधव सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ.प्र. के विधि एवं न्याय मंत्री श्री ब्रजेश पाठक और अध्यक्षता कर रहे उप्र हिंदी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने युवा साहित्यकारों को 10-10 हजार रुपये की सम्मान राशि के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा, न्यास का बोध चिन्ह स्वास्तिक और पं. प्रताप नारायण मिश्र का साहित्य देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजन डॉ. विजय कुमार कर्ण का रहा। न्यास 40 वर्ष तक की आयु वाले साहित्यकारों को उनकी मौलिक रचनाधर्मिता के लिए सम्मानित और पुरस्कृत करता है। इस दौरान उप्र सरकार के मंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा, "जब मैं पीजीआई के पास माधव सेवा आश्रम के निकट से गुजरता हूँ, तो वहां दुखी लोगों की लाइन लगी दिखती है। न्यास उन लोगों की मदद करता है। यह सेवा का अद्भुत प्रकल्प है। युवा साहित्यकार सम्मान जैसे इस तरह के आयोजनों से युवाओं को साहित्य के क्षेत्र में आने की प्रेरणा मिलेगी। लेखन जारी रहेगा। हम पढ़ना छोड़ देंगे तो भूलने की बीमारी होगी। हमें पढ़ने के लिए साहित्य चाहिए। ऐसा साहित्य जो हमारा मार्गदर्शन करे। कथा साहित्य के बिना हमारा जीवन ही अधूरा है।"

उप्र हिंदी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा, "पं. प्रताप नारायण मिश्र संवेदनशील रचनाकार थे, उनकी रचनाएँ हमें हमेशा प्रेरणा देती हैं। दिसंबर माह हमारी तीन विभूतियों के जन्म का साक्षी है- डॉ. राजेंद्र प्रसाद, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी और महामना मदन मोहन मालवीय। इन तीनों का ही साहित्य के उत्थान में बहुत बड़ा योगदान है। साहित्य हमें भौतिक उपलब्धि नहीं प्रदान करता। साहित्य का मूल काम हमारी चेतना का परिष्कार करना है। यह हमें हमारी संकुचित मनोवृत्तियों से ऊपर उठा देता है। साहित्य हमें बेहतर मनुष्य बनाता है। साहित्य पढ़ना और उससे प्रेरणा लेना समाज के लिए हितकारी होगा।"

सभी सम्मानित साहित्कारों के भावोद्गार के बाद सम्मान प्राप्त युवा साहित्यकार श्री अम्बरीश राय ने सम्मान राशि में प्राप्त किए दस हजार रुपये भाऊराव देवरस सेवा न्यास को ही दान कर दिए। उन्होंने कहा, "ये राशि जरूरतमंद तक पहुंचनी चाहिए। न्यास द्वारा इस दिशा में बेहतर काम किया जा रहा है। अगर हम सभी इसी तरह अपनी जिम्मेदारी समझकर जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आते रहें तो निश्चित ही एक बेहतर समाज का निर्माण होगा।"

कार्यक्रम का शुभ समापन राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' के साथ हुआ।

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

(अ) सुदूर ग्रामीण अंचल एवं शहरी क्षेत्र की 6 सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य केन्द्रों का संचालन

1 अप्रैल से 31 दिसम्बर 2020 तक लाभान्वित रोगी विवरण

क्र.	सेवा केन्द्र	कुल लाभान्वित रोगी
1.	वेदान्त आश्रम, पपनामऊ	--
2.	सेवा समर्पण संस्थान बिन्दौवा	636
3.	अम्बेदकरनगर	--
4.	51 शक्तिपीठ (बीकेटी)	--
5.	अर्जुनपुर (बीकेटी)	--
6.	माधव सेवा आश्रम	--
	कुल लाभान्वित रोगी	**636**

(ब) माधवराव देवड़े स्मृति रुग्ण सेवा केन्द्र, सी-91, निराला नगर, लखनऊ

1.	एलोपैथिक	--
2.	होम्योपैथिक	1203
कुल लाभान्वित रोगी सं0		**1203**

(स) रुग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम, लखनऊ

1.	होम्योपैथिक	2038

इस प्रकार तीनों केन्द्रों पर 1 अप्रैल से 31 दिसम्बर 2020 तक कुल लाभान्वित रोगी संख्या 3877 रही।

*** कई सेवाएँ लॉकडाउन के कारण प्रभावित रहीं।**

देवड़े नेत्र चिकित्सालय

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं अन्त्योदय हेल्थ मिशन द्वारा
1 अप्रैल से 31 दिसम्बर 2020 तक लाभान्वित रोगी विवरण

	योग (सत्र 2020-21)
नेत्र परीक्षण	1451
चश्मा वितरण	952
मोतियाबिन्द ऑपरेशन	05
पैथालॉजी	52

आलोक : नेत्र एवं पैथालॉजिकल जाँच केवल 20/- के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।

माधव सेवा आश्रम

माधव सेवा आश्रम रायबरेली रोड, लखनऊ में प्रान्तशः ठहरने वाले लाभान्वित बन्धुओं की संख्या

क्र.	राज्य	सत्र 2020-21 (दिसम्बर तक)
1.	उत्तर प्रदेश	36361
2.	उत्तराखण्ड	101
3.	बिहार	13486
4.	झारखण्ड	1098
5.	उड़ीसा	74
6.	मध्य प्रदेश	2194
7.	छत्तीसगढ़	358
8.	राजस्थान/गुजरात	--
9.	महाराष्ट्र	223
10.	नेपाल	124
11.	दिल्ली/पंजाब/हरियाणा	201
12.	पश्चिम बंगाल	193
13.	अन्य प्रान्त	140
	योग	**54353**

पावर ग्रिड विश्राम सदन, KGMU

के.जी.एम.यू. लखनऊ

पावर ग्रिड विश्राम सदन के.जी.एम.यू. लखनऊ, के साथ भाऊराव देवरस सेवा न्यास का MOU 26 नवम्बर 2019 को हुआ था, जिसे के.जी.एम.यू. प्रशासन द्वारा 31 मार्च 2020 को संचालन हेतु सौंपा गया। प्रारम्भ में इसे कोविड-19 के कारण सहयोगी संस्था विद्या भारती के साथ मिलकर क्वारंटाइन सेंटर के रूप में चलाया गया। तत्पश्चात् 1 दिसम्बर, 2020 से जनसाधारण के लिए यह विश्राम सदन न्यास को उपलब्ध हुआ। दिसम्बर 2020 में यहाँ ठहरने वाले लाभार्थी बन्धुओं की संख्या का विवरण यहां दिया जा रहा है।

दिसम्बर 2020 में ठहरने वाले लाभार्थियों की संख्या

राज्य	माह दिसम्बर 2020 में ठहरने वालों की संख्या
उत्तर प्रदेश	235
उत्तराखण्ड	03
बिहार	07
कुल	**245**

विश्राम सदन, दिल्ली

सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली

प्रान्तशः ठहरने वाले लाभार्थियों की संख्या

गत सत्र 2019-20 का विवरण

भारतीय राज्य/देश	कुल योग
बिहार	3905
उत्तर प्रदेश	3640
मध्य प्रदेश	853
झारखण्ड	636
राजस्थान	477
पश्चिम बंगाल	510
उत्तराखण्ड	541
हरियाणा	279
नेपाल	359
उड़ीसा	147
जम्मू और कश्मीर	268
छत्तीसगढ़	68
असम	94
गुजरात	31
हिमाचल प्रदेश	41
महाराष्ट्र	31
दिल्ली	87
त्रिपुरा	36
पंजाब	31
मणिपुर/ मिजोरम	14
अरूणाचल प्रदेश	11
केरल	31
सिक्किम	9
बांग्लादेश	10
तमिलनाडु	29
कुल	**12140**

नोटः मार्च 2020 के बाद से पावर ग्रिड विश्राम सदन, दिल्ली कोरोना महामारी के कारण एम्स दिल्ली में कोरोना के मरीजों के उपचार में लगे लगभग 200 की संख्या में चिकित्सक व उनके सहयोगी कार्यकर्ता इस सदन में रह रहे हैं और न्यास उनकी सेवा में कार्यरत है।

पॉवर ग्रिड विश्राम सदन, एम्स, नई दिल्ली

पावर ग्रिड विश्राम सदन, पटना

आई.जी.आई.एम.एस. पटना

वर्ष 2019 के नवम्बर मास में पटना के आई.जी.आई.एम.एस. के निकट पॉवर ग्रिड द्वारा बनाए गए विश्राम सदन को चलाने का कार्य न्यास को मिला | 16 नवम्बर को इसका उदघाटन हुआ | 264 बेड की सुविधा से युक्त इस विश्राम सदन में आने वालों की संख्या 1224 रही और लगभग सभी बेड भरे रहने की स्थिति आने लगी | मार्च 2020 में लॉक डाउन के कारण इसे लगभग 2 महीने के लिए बंद करना पड़ा | जून और जुलाई में कुछ दिनों के लिए दोबारा खुलने के बाद जुलाई में पुनः सेवाएँ बंद करनी पड़ीं | सितम्बर मास से सेवाएं पुनः प्रारम्भ हुईं और तब से अनवरत जारी हैं और सदन अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहा है |

वर्ष 2020 में पटना विश्राम सदन में **ठहरने वाले व्यक्तियों का मासिक विवरण**

माह	ठहरने वाले व्यक्तियों की सं0
जनवरी-2020	869
फरवरी	1224
मार्च	618
अप्रैल	00
मई	00
जून	1051
जुलाई	354
अगस्त	00
सितम्बर	1392
अक्टूबर	1276
नवम्बर	1139
कुल	**7923**

कोरोना संक्रमण के कारण न्यास द्वारा संचालित अनेक स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं | उस कालखंड में बेसहारा लोगों को राशन आदि बांटने का काम विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से किया गया |

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प एवं उनके प्रमुख

प्रकल्प का नाम	प्रकल्प प्रमुख	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती अर्चना दीक्षित	9821483861
सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन के.जी.एम.यू. लखनऊ	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	9415003111
देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक) लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्द्धमासिक) लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन, दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
विश्राम सदन, IGIMS पटना (बिहार)	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457

सन्तजन भी लोकमंगल के लिये कार्य करते हैं। नदियां लोक कल्याण के लिये अपना जल बहाती हैं, वृक्ष दूसरों को अपनी छाया तथा फल देते हैं, बादल वसुन्धरा पर जनहित में पानी बरसाते हैं। इसी प्रकार सत्पुरूष स्वभाव से ही परहित के लिये कटिबद्ध रहते हैं। इसके विपरीत परपीड़ा अर्थात दूसरों को कष्ट पहुंचाने से बढ़कर कोई नीचता का काम नहीं है। परहित में प्रमुख भाव यह रहता है कि ईश्वर द्वारा दी गई मेरी यह शक्ति और सामर्थ्य किसी के हित में काम आ सके। रामचरित मानस में बहुत सुन्दर कहा है–

परहित बस जिन्ह के मन माहीं। तिन्ह कहुं जग दुर्लभ कछु नाहीं।।

कार्यक्रम सूचना | कार्यक्रम सूचना

मकर संक्रान्ति – खिचड़ी भोज

विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी मकर संक्रान्ति के पावन अवसर पर दिनांक 17 जनवरी 2021, रविवार को मध्याह्न 1:30 बजे से माधव सेवा आश्रम परिसर में (एस.जी.पी.जी.आई. के सामने) खिचड़ी भोज का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर कोविड–19 के प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए, इष्ट मित्रों सहित आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

निवेदकः

अश्विनी कुमार गुप्ता	**कृष्ण कुमार अग्रवाल**	**ओ.पी. श्रीवास्तव**	**रंजीव तिवारी**	**जितेन्द्र कुमार अग्रवाल**	**शरद जैन**
सदस्य	**सदस्य**	**सदस्य**	**सदस्य**	**सदस्य**	**सचिव**

एवं समस्त माधव सेवा आश्रम संचालन समिति

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित माधव सेवा आश्रम, रायबरेली रोड, लखनऊ

मो0–9936580182 ई–मेलः madhavsevaashram@gmail.com